The monthly newsletter of Bihar Foundation

BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार

जुलाई 2018

The land of enlightenment

माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने छपरा में रखी देश के सबसे लंबे डबल डेकर फ्लाईओवर की नींव

बिहार के पहले और देश के सबसे लंबे डबल डेकर फ्लाईओवर का आधारशिला माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने छपरा में रखी। छपरा में बनने वाले इस फ्लाईओवर की लंबाई करीब 4 किमी और चौड़ाई 5.5 मीटर होगी। फ्लाईओवर की लागत 411.31 करोड़ रुपए है। इसमें से 240 करोड़ रुपए केंद्र सरकार और बाकी राशि राज्य सरकार देगी। तीन साल में निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। छपरा का सबसे लंबा डबल डेकर फ्लाईओवर मुंबई से भी बड़ा होगा। मुंबई के डबल डेकर की लंबाई 1.8 किमी है जबकि छपरा में बन रहा डबलडेकर फ्लाईओर करीब 4 किमी लंबा होगा।

इस डबल डेकर फ्लाईओवर की खासियत है कि इसके लिए सीमित जगह की जरूरत होगी। यह फ्लाईओवर छपरा शहर के पश्चिमी से पूरब की तरफ– भिखारी ठाकुर चौक – गांधी चौक,– मौना चौक,– सलेमपुर– नगरपालिका– श्री नंदन पथ होते हुए बस स्टैंड स्थित जिला स्कूल के गेट पर समाप्त होगा। बाएं तरफ– नगरपालिका चौक से थाना चौक, गांधी चौक से उतर गड़खा, रेवा रोड तक फ्लाइओवर ब्रिज का निर्माण होगा।

मुख्य बाजार होने की वजह से यहां अक्सर जाम की स्थिति रहती है। फ्लाईओवर के बन जाने से जाम से मुक्ति मिलेगी। बिहार राज्य पुल निर्माण निगम की देखरेख में बनने वाले फ्लाईओवर के लिए एजेंसी का चयन हो गया है।

Get in touch
Tel. +91-612-2547371
email:info@biharfoundation.in
Web: http:ËËwww.biharfoundation.in

Contents

01 माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने छपरा में रखी देश के सबसे लंबे डबल डेकर फ्लाईओवर की नींव

04 माननीय उपमुख्यमंत्री के हाथों हुआ विश्वप्रसिद्ध श्रावणी मेले का उद्घाटन

04 बिहार की मशहूर 'शाही लीची' को मिलेगा GI टैग

05 18 साल बाद BCCI के सभी मैच खेलेगा बिहार

06 रेलवे स्टेशन के बाद मधुबनी पेंटिंग से अब ट्रेनें भी सजेगी

06 मधुबनी का जितवारपुर बनेगा बिहार का पहला क्राफ्ट विलेज

06 बेहतर काम के लिए सम्मानित हुआ पटना क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय

07 बिहार की दो महिलाओं को मिला राष्ट्रीय कृषि पुरस्कार

07 बिहार में गंदे पानी से बनेगा दुनिया का सबसे सस्ता पेयजल

07 कंशी में खुला बिहार का पहला हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर

08 जुलाई महीने में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठकों में लिए गए कुछ अहम फैसले

ई–न्यूज़लेटर के जुलाई 2018 अंक को आप सभी पाठकों के बीच प्रस्तुत करते हुए हर्ष की अनुभूति हो रही है। इस अंक में भी पिछले संस्करणों की तरह राज्य भर में चल रहे जनहित कार्यों को संकलित किया गया है। राज्य भर में हो रहे सकारात्मक एवं रचनात्मक कार्यों में से कुछ को हमने ई–न्यूज़लेटर के इस अंक में आपके सम्मुख लाने का प्रयास किया है।

बुनियादी संरचना के विकास के लिए इस महीने माननीय मुख्यमंत्री द्वारा सारण जिले में देश के सबसे लंबे डबल–डेकर फ्लाईओवर की आधारशिला रखी गई। परियोजना की अनुमानित लागत 411 करोड़ रुपये है जिसे वर्ष 2022 तक पूरा किया जायेगा। बिहार के प्रसिद्ध जरदालू आम, कतरनी चावल और मगही पान के बाद अब राज्य के मशहूर शाही लीची को प्रतिष्ठित जी आई टैग मिलने वाला है।

इसी तरह के राज्य के अन्य सकारात्मक ख़बरों को पढने के लिए प्रस्तुत है ई–न्यूज़लेटर का जुलाई 2018 अंक।

डॉ एस सिद्धार्थ, आईएएस
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी
बिहार फाउण्डेशन

माननीय उपमुख्यमंत्री के हाथों हुआ विश्वप्रसिद्ध श्रावणी मेले का उद्घाटन

बिहार में भागलपुर जिले के सुल्तानगंज में हर साल लगने वाला विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला शुरू हो गया है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्वलन कर एक महीने तक चलने वाले सुल्तानगंज में विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले का उद्घाटन किया। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री अश्विनी चौबे, बिहार सरकार के भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री रामनारायण मंडल, समेत कई लोग मौजूद थे।

इस वर्ष से सरकार द्वारा श्रावणी मेला को राज्य मेला का दर्जा दिए जाने का जिक्र करते हुए माननीय उपमुख्यमंत्री ने कहा की कांवरिया पथ पर लाइटिंग में काफ़ी सुधार किये गए है जिनसे कांवर लेके जाने वाले लोगों को काफ़ी सुविधा हुई है। कांवर यात्री के लिए कई तरह के शेड का निर्माण किया गया है। उन्होंने आगे कहा की मेला के दौरान सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल सुविधा, स्वच्छता और निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए सरकार के द्वारा कई कदम उठाये गए हैं।

वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने केंद्र सरकार द्वारा बिहार के धार्मिक स्थलों को विभिन्न सर्किट से जोड़े जाने की भी बात कही। उन्होंने बिहार सरकार की ओर से श्रावणी मेला को राजकीय मेला का दर्जा दिए जाने पर बिहार सरकार का साधुवाद किया।

.....****.....

बिहार की मशहूर 'शाही लीची' को मिलेगा GI टैग

उत्तरी बिहार की मशहूर शाही लीची को अब जल्द ही जिऑग्रफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग मिलने वाला है। बिहार में जरदालू आम, कतरनी चावल, और मगही पान के बाद अब शाही लीची को जिऑग्रफिकल इंडिकेशन टैग के रूप में पहचान मिलने वाली है। इस साल के 5 जून के जिऑग्रफिकल इंडिकेशन जर्नल में शाही लीची के बारे में विस्तार से बताया गया है।

मुजफ्फरपुर के लीची ग्रोअर्स असोसिएशन ने इससे पहले शाही लीची के जीआई रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन दिया था। जीआई किसी उत्पाद को दिया जानेवाला खास टैग है। यह टैग उसी उत्पाद को मिलता है, जो पारंपरिक तौर–तरीकों से एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में पैदा होता है। साथ ही उसकी खासियत का उस विशेष इलाके से पुराना संबंध होता है। जीआई जर्नल के पृष्ठ 107 में प्रकाशित चैप्टर में शाही लीची

की विशेषताओं का जिक्र है। इसमें जीआई का नाम, विवरण, कृषि विधि के साथ–साथ उत्पादन और उत्पत्ति का प्रमाण शामिल है। जर्नल में कहा गया है, 'यह लीची की एक खास प्रकार की प्रजाती है। राज्य के मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, वैशाली, पूर्वी चंपारण, बेगूसराय और बिहार के एग्रो क्लाइमेटिक जोन–1 के निकटवर्ती इलाकों में मुख्य रूप से इसकी खेती होती है। मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और उसके आस–पास के इलाकों में पैदा होनेवाली लीची काफी रसदार और शुगर ऐसिड सम्मिश्रण के साथ बेहतरीन खुशबू वाली होती है।'

.....****.....

18 साल बाद BCCI के सभी मैच खेलेगा बिहार

लगभग 18 साल बाद बिहार फिर से बीसीसीआइ के सभी टूर्नामेंटों में खेलेगा। हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) ने सत्र 2018–19 के घरेलू मैचों की तिथि निर्धारण किया है। हालांकि अभी पूरे कार्यक्रम की घोषणा नहीं हुई है पर बिहार क्रिकेट मैच के सभी फॉर्मेट में खेलेगा। रणजी ट्रॉफी, अंडर–23, अंडर–19, महिला सीनियर, महिला अंडर–23 और महिला अंडर–19 में बिहार को प्लेट ग्रुप में रखा गया है। बिहार इस ग्रुप में अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, पुडुचेरी, सिक्किम और उत्तराखंड से खेलेगा। विजय मर्चेंट ट्रॉफी, अंडर–16 में बिहार ईस्ट जोन में है। ईस्ट जोन में बिहार के साथ झारखंड, त्रिपुरा, बंगाल, असम, ओडिशा जैसी टीमें खेलेगी।

बीसीसीआइ द्वारा जारी तिथि के अनुसार, सीनियर पुरुष वर्ग में दलीप ट्रॉफी 17 अगस्त से, विजय हजारे ट्रॉफी वनडे 19 सितंबर से, देवधर ट्रॉफी वनडे 23 अक्टूबर से, रणजी ट्रॉफी लीग 1 नवंबर से, नाकआउट 15 जनवरी 2019 से, ईरानी ट्रॉफी 11 फरवरी 2019 से, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी–20 की शुरुआत 21 फरवरी 2019 से होगी।

.....****.....

रेलवे स्टेशन के बाद मधुबनी पेंटिंग से अब ट्रेनें भी सजेगी

बिहार में कई स्टेशनों की दीवारों को सजाने के बाद मधुबनी पेंटिंग को अब बिहार से चलने वाली राजधानी और सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों पर भी प्रदर्शित की जाएगी। राजधानी के अलावा, सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस और जनसाधारण एक्सप्रेस के अंदरूनी और बाहरी डिब्बों को भी पारंपरिक मिथिला पेंटिंग्स कलाकृति से सजाई जायेगी। इस परियोजना में रेलवे को प्रति कोच 1 लाख रुपये खर्च होने की संभावना है।

मधुबनी पेंटिंग्स मधुबनी बिहार के मिथिला क्षेत्र की लोक कला है। मधुबनी पेंटिंग से बोगियों पर प्रकृति के सौंदर्य को उतारा जा रहा है। बोगियों के बाहरी भागों पर सूर्योदय की आकर्षक छंटा, फलों से लदे पेड़, नदी में तैरती मछलियां, झरने, पर्वत व बादल आदि आकृतियों से सजाया जा रहा है। दो माह के अंदर मधुबनी पेंटिंग से सजी ट्रेन का परिचालन शुरू हो जाएगा। मधुबनी कला के साथ कुल 100 कोच चित्रित किए जाएंगे। करीब दर्जन भर कलाकारों की टीम मधुबनी पेंटिंग से ट्रेन को सजाने में जुटी है। ट्रेन की तीनों रैक को मधुबनी पेंटिंग से सजाने की योजना है। इससे पूर्व मधुबनी जंक्शन को मधुबनी पेंटिंग से सजाया गया था।

.....****.....

मधुबनी का जितवारपुर बनेगा बिहार का पहला क्राफ्ट विलेज

मिथिला पेंटिंग्स के लिए दुनिया भर में मशहूर मधुबनी जिले में अब बिहार का पहला क्राफ्ट विलेज बनेगा। मधुबनी जिले के जितवारपुर गांव को क्राफ्ट विलेज के तौर पर विकसित किया जायेगा। बिहार सरकार ने इस गांव का चयन कर केंद्र सरकार के कपड़ा मंत्रालय की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा है।

सम्बंधित मंत्रालय से स्वीकृति मिलते ही इस पर व्यापक रूप से काम शुरू किये जायेंगे। इस परियोजना पर लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। जितवारपुर गांव में स्थानीय बुनकरों और इलाके के लोगों द्वारा हस्तशिल्प, हथकरघा, लकड़ी की नक्काशी आदि से बने पारंपरिक सामान दिखेंगे। गांव में पर्यटकों को ठहरने के लिए गेस्ट हाउस का निर्माण होगा। सामानों की बिक्री के लिए भी सुविधा होगी।

.....****.....

बेहतर काम के लिए सम्मानित हुआ पटना क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय

क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय पटना देशभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पासपोर्ट कार्यालयों में शामिल हो गया है। नई दिल्ली में संपन्न पासपोर्ट अधिकारी सम्मेलन में प्रवीण मोहन सहाय, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी, पटना

को वर्ष 2017–18 के लिए देशभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विदेश मंत्री सुषमा स्वराज द्वारा पुरस्कृत किया गया। पासपोर्ट सेवा केंद्र पटना में आवेदन जमा करने में लगने वाले समय में दिनों दिन कमी की जा रही है। पासपोर्ट के लिए पुलिस जांच में लगने वाले समय में भी कमी की जा रही है। बिहार सरकार के सहयोग से इसे 21 दिनों के अंदर लाने का प्रयास किया जा रहा है। पासपोर्ट जारी करने के औसत समय में भी क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, पटना ने उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त किया है। वर्तमान समय में पुलिस जांच को छोड़ पासपोर्ट जारी कर डाक द्वारा भेजने में तीन–चार दिन लग रहा है। वहीं तत्काल के तहत मात्र एक दिन का समय लग रहा है। वर्तमान समय में एक वर्ष से ज्यादा समय से लंबित पड़े आवेदनों की संख्या घटाकर शून्य कर दिया गया है। भारत सरकार की महत्वकांक्षी परियोजना ''पासपोर्ट आपके द्वार' के तहत पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र खोला जा रहा है। इस योजना के तहत बिहार में कुल 15 पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र सिवान, मुजफ्फरपुर, बेतिया, भागलपुर, पूर्णियां, गया, मोतिहारी, बक्सर, समस्तीपुर, नवादा, मुंगेर, छपरा, मधुबनी, बेगूसराय एवं नालंदा जिले में शुभारंभ किया गया है।

.....****.....

बिहार की दो महिलाओं को मिला राष्ट्रीय कृषि पुरस्कार

राज्य के बांका जिले के झिरवा गांव के दो महिलाएं विनीता कुमारी और रिंकू देवी का चयन राष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले 'जगजीवन राम कृषि अभिनव नवाचार पुरस्कार के लिए हुआ है। उनका चयन बिहार–झारखंड जोन के लिए किया गया है। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के स्थापना दिवस के मौके पर नई दिल्ली में दोनों महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। केन्द्र सरकार की ओर से उन्हें पचास–पचास हजार रुपए के साथ प्रमाण पत्र दिया गया ।

रिंकू देवी और विनीता कुमारी दोनों महिलाएं मशरूम उत्पादन में इतनी सफलता हासिल कर चुकी हैं कि उनके उत्पाद खरीदने के लिए बंगाल से लोग झिरवा गांव पहुंचते हैं। उनका मशरूम ब्रांड बन चुका है। अब तो वह मशरूम का स्पान (बीज) का भी उत्पादन करने लगीं हैं। लिहाजा अब उनकी आमदनी काफी बढ़ गई है। विनीता को बिहार कृषि विश्वविद्यालय ने तो रिंकू को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी पहले सम्मानित किया है।

.....****.....

बिहार में गंदे पानी से बनेगा दुनिया का सबसे सस्ता पेयजल

बिहार में शुरू की गई एक नवोन्मेषी और लागत प्रभावी पेयजल परियोजना से प्रदेश के लोगों को दुनिया में सबसे सस्ता पीने का पानी मिलेगा। परियोजना के तहत लोगों को 50 पैसे में एक लीटर पीने का पानी मुहैया करवाने का वादा किया गया है। सुलभ इंटरनेशनल के द्वारा दरभंगा में 'सुलभ जल' नाम से इस परियोजना का शुभारंभ किया गया है। इस परियोजना में तालाब के गंदे पानी को स्वच्छ पेयजल में बदला जाएगा।

सुलभ जल शुद्धिकरण के विविध चरणों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। नदी या तालाब जैसे जलाशयों से स्वच्छ व सुरक्षित जल मुहैया करवाएगा। परिजयोजना की शुरुआत दिसंबर तक की जाएगी। इस परियोजना पर करीब 20 लाख रुपये की लागत आएगी और इसमें 8,000 लीटर पेयजल रोजाना निकाला जाएगा जिसकी लागत नाममात्र होगी। इस तरह की प्रायोगिक परियोजना पश्चिम बंगाल के 24 परगना, मुर्शिदाबाद और नादिया जिलों में सुलभ और एक फ्रांसीसी संगठन के साथ शुरू की गई थी जो सफल रही है।

.....****.....

कंशी में खुला बिहार का पहला हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बिहार के दरभंगा के कंसी सिमरी में राज्य के पहले हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के तहत बने अस्पताल का उदघाटन किया। इसके बाद दरभंगा डीएमसीएच अस्पताल में आधुनिक सिटी स्कैन और MRI मशीन का भी उदघाटन किया गया। अगले एक वर्ष के भीतर राज्य के सभी 534 प्रखंडों में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर बनाया जाएगा। इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एपीएचसी के साथ–साथ यह बिहार का पहला हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर है। जल्द ही अस्पताल के उन्नयन के लिए 24 लाख रुपये मुहैया कराए जाएंगे।

सदर अस्पताल के लिए जल्द टेंडर की प्रक्रिया सदर प्रखंड के गंगवारा में 50 करोड़ की लागत से जल्द ही 100 बेड का सदर अस्पताल बनाया जाएगा। इसकी प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। स्वास्थ्य विभाग और मुख्यमंत्री की ओर से इसे प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। भूमि चिन्हित करने का कार्य अंतिम चरण में है। अस्पताल के लिए जल्द ही टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

जुलाई महीने में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठकों में लिए गए कुछ अहम फैसले

- वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय एवं स्मृति स्तूप निर्माण हेतु भवन निर्माण विभाग बिहार पटना द्वारा समर्पित तकनिकी अनुमोदित पुनरीक्षित प्राक्कलन के आधार पर पूर्व प्रशासनिक स्वीकृति राशि 152, 37, 54,462/- (एक सौ बावन करोड सैंतीस लाख चौवन हजार चार सौ बासठ रूपये) मात्र के स्थान पर परामर्शी शुल्क सहित कुल राशि 301, 40, 05, 500/- (तीन सौ एक करोड़ चालीस लाख पांच हजार पांच सौ रूपये) की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति

  Ref.: Resolution No.41-(08)-47-2018/Agenda No.26/Date: 11th July 2018)

  Link: http://csd.bih.nic.in/Upload/Decisions/d11072018.pdf
- आंगनबाड़ी सेवाएँ (आई. सी. डी.एस.) के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों (मिनी आंगनबाड़ी सहित) के माध्यम से सामान्य/कुपोषित/ अतिकुपोषित बच्चों एवं गर्भवती/ शिशुवती महिलाओं के पूरक पोषाहार के अबाध कार्यान्वन हेतु 03 माह के व्यय के समतुल्य स्थाई अग्रिम राशि रूपये 407,31,82,275.00 (चार अरब सात करोड़ एकतीस लाख बियासी हजार दो सौ पचहत्तर रूपये) की स्वीकृति एवं डी.बी.टी. के माध्यम से आगन निधि एप्प के द्वारा समेकित अभिश्रव के अधर पर राज्य स्तर (आई. सी. डी.एस निदेशालय) से निकासी करने की स्वीकृति

  (Ref.: Resolution No.41-(08)-51-2018/Agenda No.04/Date: 31st July 2018)

  Link: http://csd.bih.nic.in/Upload/Decisions/d31072018.pdf
- भागलपुर में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (STPI) की शाखा खोले जाने हेतु STPI को लीज (30 वर्ष) के माध्यम से निशुल्क भूमि हस्तांतरण के संबंध में स्वीकृति

  (Ref.: Resolution No.41-(08)-51-2018/Agenda No.08/Date: 31st July 2018)

  Link: http://csd.bih.nic.in/Upload/Decisions/d31072018.pdf
- प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत आवासों के निर्माण कार्य में प्रगति लाने हेतु लाभुकों को प्रोत्साहन राशि प्रदान किये जाने हेतु 'मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास प्रोत्साहन योजना' की स्वीकृति

  (Ref.: Resolution No.41-(08)-51-2018/Agenda No.15/Date: 31st July 2018)

  Link: http://csd.bih.nic.in/Upload/Decisions/d31072018.pdf
- गृह मंत्रालय, भारत सरकार , द्वारा महिलाओं एवं बच्चों से सम्बंधित अपराध की घटना को रोकने के उद्देश्य से Cyber Crime Prevention Against Women and Children (CCPWC) योजना के अंतर्गत बिहार राज्य हेतु वित्तीय वर्ष 2017-18 में विमुक्त की गई अनुदान की राशी 2,47,00,000 (दो करोड़ सैतालीस लाख रूपये) का बिहार आकस्मिकता निधि से अग्रिम एवं व्यय की स्वीकृति

  (Ref.: Resolution No.41-(08)-47-2018/Agenda No.15/Date: 11 July 2018)

  Link: http://csd.bih.nic.in/Upload/Decisions/d11072018.pdf
- भागलपुर जिला अंतर्गत सुल्तानगंज श्रावणी मेला को राजकीय मेला का दर्जा देने की स्वीकृति

  (Ref.: Resolution No.41-(08)-47-2018/Agenda No.16/Date: 11 July 2018)

  Link: http://csd.bih.nic.in/Upload/Decisions/d11072018.pdf

Bihar Foundation
Head Office: 6th Floor, Indira Bhawan, RCS Path, Patna, Bihar (INDIA).
Phone: +91-612-2547371
Email: General: info@biharfoundation.in
Helpdesk: helpdesk@biharfoundation.in